

फिल्मों का निर्माण

260. श्री सूरज प्रसाद : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत का फिल्म निर्माण के क्षेत्र में विश्व में दूसरा स्थान है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि फिल्मों के कारण देश में अश्लीलता में काफी वृद्धि हुई है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

t | PRODUCTION OF FILMS

260. SHRI SURA.I PRASAD : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING/ ^TT 3T>? STfTTTf *T3ft be pleased to state :

(a) whether it is a fact that India is number two in the field of films production in the world;

(b) whether it is also a fact that considerable increase in obscenity in the country has been caused by the films; and

(c) if so, the steps being taken by Government in this connection'.]

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री धर्मवीर सिंह) : (क) जी हां।

(ख) तथा (ग) जी, नहीं। केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड फिल्मों में अश्लीलता, सैक्स तथा हिंसा पर कड़ा सेंसर लागू करता है।

; | Ti!! DEPUTY MINISTER IN THE MINISER OF INFORMATION AND BROADCASTING सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमन्त्री (SHRI DHARAM VIR SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b)and(c) No, Sir. The Central Board of Film Censors enforce strict censorship on obscenity, sex and violence in films.]

REVIEW OF PLAN PROJECTS

261. SHRI B.S. SAVNEKAR : SHRI A.G. KULKARNI : SHRI VITHALGADGIL : SHRIMATI VIMAL PUNJAB DESHMUKH :

Will the Minister of PLANNING/ qTSTCT IRT be pleased to state :

(a) whether he made a statement recently in Delhi to the effect that there is a necessity of a review of plan projections in view of strain on resources due to influx of refugees from Bangla Deslv. and

(b) if so, what are the priorities now contemplated to be given for investment of resources in different economic activities?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING/योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (SHRI MOHAN DHARIA) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड, भोपाल में हड़ताल

262. श्री निरन्जन वर्मा : क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1969-70 के वर्ष की अपेक्षा 1970-71 के वर्ष में हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड, भोपाल में कम हड़तालें हुई हैं ;

(ख) 500 रुपए से कम मासिक वेतनमान के कितने पद ऐसे हैं जिन पर अभी भी अन्य राज्यों से आने वाले व्यक्ति काम कर रहे हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इस तथ्य की जांच की है कि अन्य राज्यों के अनेक व्यक्ति अपने संबंधियों के मध्य प्रदेश में रहने का आधार बतलाकर इस एकक में नौकरी प्राप्त कर रहे हैं ; और

(घ) क्या प्रबन्धकों द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति उनकी हिन्दी में परीक्षा लेकर और उनके प्राथमिक पाठशाला प्रमाणपत्रों की जांच करके की जाती है।